खबर संक्षेप

24 अप्रैल को स्वर्ण प्राशन संस्कार का आयोजन

शहडोल। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. आयशा मिश्रा ने बताया कि प्रति माह की तरह इस माह पुष्य नक्षत्र में आयुष विभाग द्वारा जिला आयुर्वेद चिकित्सालय शहडोल में 24 अप्रैल को प्रातः 10:00 बजे से 05:00 बजे तक स्वर्णप्राशन संस्कार का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें 0 से 16 वर्ष तक के बच्चों को चिकित्सकों की देखरेख में स्वर्ण भस्म युक्त औषधि का सेवन कराया जाता है।

जनगणना-2027 हेतु प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

शहडोल। भारत सरकार, गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार जनगणना 2027 के प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने के उददेश्य से नगर पालिका परिषद, शहडोल द्वारा चयनित प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को 22 अप्रैल से 24 अप्रैल 2026 तक जिला मुख्यालय के शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शहडोल में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती आशा भंडारी ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनगणना कार्य को पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं गोपनीयता के साथ संपादित करने की शपथ दिलाई। प्रशिक्षण सत्र के दौरान जिला जनगणना प्रभारी श्री गिरीश शुक्ला, मास्टर ट्रेनर सहायक प्राध्यापक श्री राजीव श्रीवास्तव, व्याख्याता श्री पंकज तिलाटिया, व्याख्याता कन्हैयालाल पांडे तथा उच्च श्रेणी शिक्षक रामजी कुशवाहा द्वारा प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को जनगणना से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसमें जनगणना की प्रक्रिया, डेटा संकलन, मोबाइल एप्लिकेशन के उपयोग तथा अन्य तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रगणक, पर्यवेक्षक, नगर पालिका के अधिकारी एवं अन्य कर्मचारी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जनगणना 2027 के सफल, प्रभावी एवं त्रुटिरहित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

29 अप्रैल को रोगी कल्याण समिति की बैठक

शहडोल। सिविल सर्जन डॉ. शिल्पी सराफ ने बताया कि रोगी कल्याण समिति की कार्यकारिणी समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में 29 अप्रैल 2026 को मध्यान्ह 01 बजे से आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष सह कलेक्टर डॉ. केदार सिंह द्वारा की जाएगी। इसमें स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, अस्पताल प्रबंधन एवं रोगियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी।

राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा परीक्षा ओएमआर पद्धति से कराई जाएगी

शहडोल। लोक सेवा आयोग मध्यप्रदेश द्वारा राज्य सेवा व राज्य वन सेवा की प्रारंभिक परीक्षा 26 अप्रैल को 02 पालियों में प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक तथा दोपहर 02: 15 बजे से 04:15 बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा निर्विघ्न सुव्यवस्थित एवं सचिता पूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने हेतु मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। परीक्षा का आयोजन ओएमआर पद्धति से किया जाएगा। परीक्षा में सम्मलित होने वाले परीक्षार्थियों हेतु प्रवेश के दौरान त्रिस्तरीय नवीन जांच प्रक्रिया बायोमैट्रिक प्रमाणीकरण, प्रवेश पत्र की स्कैनिंग, एचएचएमडी के माध्यम से तलासी ली जाएगी। परीक्षार्थियों को परीक्षा केन्द्र पर 90 मिनट पूर्व पहुंचना होगा। परीक्षा केन्द्र के प्रवेश द्वारा पर अनुमत एवं वर्जित वस्तुओं की जानकारी चस्पा की जाएगी। परीक्षार्थियों की एचएचएमडी के माध्यम से जांच की जाएगी। पुरूष परीक्षार्थियों की जांच पुरूष वीक्षकों द्वारा, महिला परीक्षार्थियों की जांच महिला वीक्षकों द्वारा तथा ट्रांस जेन्डर अभ्यर्थियों के पास विकल्प होगा की वह अपनी जांच महिला अथवा पुरूष कर्मचारी से करवाना चाहते हैं। दोनो सत्रों में जांच के पश्चात ही परीक्षा कक्ष मे प्रवेश दिया जाएगा।

शहडोल में मानवता का नया अध्याय

अमर ज्योति के प्रयासों से दूसरा नेत्रदान संपन्न, दो जिंदगियां फिर होंगी रोशन

शहडोल। संभागीय मुख्यालय में मानवता और सेवा का एक ऐसा अध्याय लिखा जा रहा है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए नजीर बनेगा। अमर ज्योति संस्था के सार्थक प्रयासों और चिकित्सा विशेषज्ञों की तत्परता से शहर में दूसरा सफल नेत्रदान संपन्न हुआ है। कृष्णा कॉलोनी निवासी देवरानी परिवार द्वारा किए गए इस महादान ने न केवल शोक संतप्त परिवार के साहस को दर्शाया है, बल्कि समाज को मृत्यु के पश्चात भी जीवित रहने का मार्ग दिखाया है।

मेडिकल कॉलेज की टीम ने किया सफल ऑपरेशन

नेत्रदान की इस बेहद संवेदनशील और तकनीकी प्रक्रिया को शासकीय मेडिकल कॉलेज शहडोल की टीम ने पूरी गरिमा के साथ संपन्न किया। नेत्र रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. प्रणादा शुक्ला और डॉ. शोएब अरशद के कुशल मार्गदर्शन में टीम ने इस कार्य को अंजाम दिया। मुख्य प्रक्रिया डॉ. धीरेंद्र पांडे की अगुवाई में संपन्न हुई, जिसमें डॉ. शाहिद, डॉ. मेलोनी, डॉ. हनी और राहुल की टीम ने अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं दीं। डॉक्टरों की इस टीम ने समय रहते प्रक्रिया पूरी कर यह सुनिश्चित किया कि दान की गई आंखें किसी जरूरतमंद के काम आ सकें।

अमर ज्योति संस्था का सराहनीय कदम

शहडोल में नेत्रदान के प्रति अलख जगाने वाली संस्था अमर ज्योति के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है। संस्था द्वारा करवाया गया यह दूसरा नेत्रदान है। संस्था के राष्ट्रीय संयोजक मनोहर डिगवानी, संयोजक लखन बुचवानी, सचिव संजय रोहरा और सह-सचिव अशोक माधवानी के प्रयासों से शहर में अब लोग इस महादान के प्रति जागरूक हो रहे हैं।

श्री श्रीचंद छाबड़ा जी ने की थी शुरुआत

शहडोल में नेत्रदान की इस मशाल को जलाने में पूर्व के दानदाताओं का भी बड़ा योगदान रहा है। इसी कड़ी में छाबड़ा परिवार (श्री आनंदपुर दरबार के सामने, शहडोल) का नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। 16 दिसंबर 2025 को श्री श्रीचंद छाबड़ा जी के मरणोपरांत उनके परिवार ने नेत्रदान कर समाज के सामने मिसाल पेश की थी। उन्हीं के पदचिन्हों पर चलते हुए अब देवरानी परिवार ने इस परंपरा को आगे बढ़ाया है।

शोक की घड़ी में मानवता का संदेश

देवरानी परिवार की महिला सदस्य के निधन के बाद, दुख की इस घड़ी में भी परिवार ने समाज हित को सर्वोपरि रखा। अमर नेत्रदाता के रूप में उनकी स्मृति अब हमेशा जीवित रहेगी। संस्था अमर ज्योति ने इस पुनीत कार्य के लिए परिवार का आभार व्यक्त किया है।

जयसिंहनगर में आयोजित हुआ मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह

200 जोड़े विवाह सूत्र के बंधन से बंधे

शहडोल। मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह/निकाह योजनांतर्गत जनपद मुख्यालय जयसिंहनगर के पुलिस मैदान में जनप्रतिनिधियो एवं अधिकारियो की उपस्थिति में सामूहिक कन्या विवाह कार्यक्रम बड़े उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। सामूहिक कन्या विवाह के अवसर पर 200 नव दंपत्तियो ने वैदिक मंत्रोच्चरण एवं भारतीय परंपरा के साथ सात फेरे लेकर परिणय सूत्र में बंधे। विधायक श्रीमती मनीषा सिंह,विधायक शरद कोल, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मालती सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियो एवं अधिकारियों ने पुष्पवर्षा कर उनके सुख, समृद्धि और मंगलमय वैवाहिक जीवन की कामना की। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि सामूहिक विवाह कार्यक्रम के माध्यम से जहां एक ओर विवाह में होने वाले अनावश्यक खर्च को कम किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने का भी सशक्त संदेश दिया जा रहा है। सामूहिक कन्या विवाह सामाजिक समरसता और सद्भाव का प्रतीक है। उन्होंने विवाह संस्कार को भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण अंग बताते हुए कहा कि सामूहिक विवाह से अनावश्यक खर्चों में कमी आती है और सभी को अपनी खुशियां साझा करने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक शरद कोल ने कहा कि सामूहिक कन्या विवाह समारोह का उद्देश्य समाज में सादगीपूर्ण एवं आदर्श विवाह को बढ़ावा देना तथा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहयोग प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से एक ही मंच पर अनेक जोड़ों का विवाह संपन्न कराया जाता है, जिससे सामाजिक एकता को मजबूती मिलती है। कार्यक्रम को सदस्य जिला योजना समिति श्रीमती अमिता चपरा सहित अन्य जनप्रतिनिधियो एवं अधिकारियो ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम के दौरान नवदंपतियों को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 49 हजार रुपये की आर्थिक सहायता के प्रतीक स्वरूप चेक एवं गृहस्थ जीवन की आवश्यक सामग्री प्रदान की गई, जिससे वे अपने नए जीवन की शुरुआत सुगमता से कर सकें।

अजय सिंह राहुल के आगमन पर कांग्रेस की संगठनात्मक बैठक संपन्न

शहडोल। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं चोरहट विधायक अजय सिंह राहुल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को एवं समस्त प्रकोष्ठों के प्रभारी महेंद्र सिंह चौहान विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल के जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी द्वारा की गई। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य अतिथि अजय सिंह राहुल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी की ताकत उसके जमीनी कार्यकर्ता हैं, और संगठन को मजबूत बनाने के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा। उन्होंने आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त करने पर विशेष जोर दिया, उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि केवल बैठकों तक सीमित रहने से संगठन मजबूत नहीं होगा, बल्कि जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझना और उनके समाधान के लिए संघर्ष करना ही कांग्रेस की असली पहचान है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि आज बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की समस्याएं और युवाओं का भविष्य सबसे बड़े मुद्दे हैं, जिन पर कांग्रेस पार्टी को मजबूती से आवाज उठानी होगी।

अजय सिंह राहुल ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए आपसी समन्वय, अनुशासन और निरंतर संवाद अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से अपेक्षा की कि वे अपने-अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें और पार्टी के कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारें। पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ने अपने संबोधन में कहा कि जनता के मुद्दों को लेकर कांग्रेस निरंतर संघर्षरत है और कार्यकर्ताओं को जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझना एवं उनका समाधान कराने के लिए प्रयासरत रहना चाहिए। अध्यक्षीय उद्बोधन में जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी दी तथा कार्यकर्ताओं से पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में जिले भर से आए कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने संगठन को मजबूत करने एवं आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने का संकल्प लिया।

व्यापारियों के आक्रोश के आगे झुका यातायात विभाग

नो-एंट्री के तुगलकी फरमान में संशोधन

शहडोल। शहर के हृदय स्थल गांधी चौक क्षेत्र में यातायात विभाग द्वारा लागू किए गए बेतुके नियमों के खिलाफ व्यापारियों का गुस्सा फूट पड़ा। शादी-ब्याह के पीक सीजन में बाजार की कमर तोडऩे वाले वन-वे और नो-एंट्री के फरमान ने दुकानदारों और ग्राहकों का दम निकाल दिया था, लेकिन जिला व्यापारी संघ की एकजुटता के आगे आखिरकार प्रशासन को घुटने टेकने पड़े।

बाजार को लॉक करने की साजिश

विवाह सीजन की भारी भीड़ के बीच यातायात पुलिस ने न्यू गांधी चौक से जैन मंदिर मार्ग को शाम के वक्त पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया था। इस फैसले से न केवल ग्राहकों ने बाजार से दूरी बना ली थी, बल्कि व्यापारियों का धंधा भी चौपट होने की कगार पर पहुंच गया था। स्थानीय व्यापारियों ने इस निर्णय को व्यापार विरोधी करार देते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया।

आर-पार की लड़ाई के मूड में व्यापारी

दिक्कतों का अंबार देखते हुए जिला व्यापारी संघ के अध्यक्ष लक्ष्मण गुप्ता के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने यातायात प्रभारी संजय जायसवाल को घेर लिया। तीखी बहस और विस्तार से रखी गई समस्याओं के बाद यातायात प्रभारी को अपनी रणनीति बदलने पर मजबूर होना पड़ा। अब शाम के समय न्यू गांधी चौक से दोपहिया वाहनों के प्रवेश पर पाबंदी नहीं रहेगी। बाजार की रौनक बरकरार रखने के लिए आवाजाही को सुगम बनाया जाएगा। इस दौरान अनिल रोहरा, मनोज सराफ, मुरली रोहरा और विजय सराफ समेत भारी संख्या में व्यापारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर साफ कर दिया कि यदि भविष्य में ऐसे अव्यावहारिक निर्णय लिए गए, तो आंदोलन और उग्र होगा।

इनका कहना है...

हम शहर की व्यवस्था बनाने में सहयोग करना चाहते हैं, लेकिन नियमों के नाम पर व्यापार की बलि चढ़ाना मंजूर नहीं।

लक्ष्मण गुप्ता
अध्यक्ष, जिला व्यापारी संघ
शहडोल

समाज के उत्थान के लिए स्वयंसेवी निभाएं महती भूमिका: कलेक्टर

शिक्षा जीवन की कुंजी वंचित बच्चों को करें प्रेरित

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की अध्यक्षता में जन अभियान परिषद के पंख कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु जिला अंतर्गत स्वैच्छिक संगठनो के प्रतिनिधियो के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने कहा कि स्वयंसेवी संस्था के प्रतिनिधि समाज के उत्थान में अपनी महती भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित योजनाओ की जानकारी दें जिससे योजनाओ का लाभ लेते हुए हर जरूरतमंद व्यक्ति सशक्त और आत्मनिर्भर हो सकें। उन्होंने कहा कि नशा का सेवन न करने एवं उससे होने वाले दुष्यप्रभावो बारे में लोगो को जागरूक करें एवं लोगो के साथ बैठके आयोजित कर मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि सिकल सेल एनीमिया अनुवांशिकी बीमारी है, इसके प्रति जन-जागरूकता आवश्यक है इस क्षेत्र में भी अपना दायित्व समझकर कार्य करें। कलेक्टर ने कहा कि स्वयंसेवी संस्था के प्रतिनिधि अपने रूचि के अनुसार कार्य करे और उस कार्य में सकारात्मक परिणाम लाएं। कलेक्टर ने कहा कि अलग-अलग सेक्टरो के लिए गांव का चिन्हाकंन भी कर लें। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि जो बच्चे शिक्षा से वंचित है उन्हें विद्यालय के जाने के लिए प्रेरित करें और उन्हें शिक्षा अवश्य दिलाएं, शिक्षा सफल जीवन की कुंजी है, स्वयंसेवी, अभिभावको एवं बच्चो से निरंतर संपर्क कर संवाद करें। उन्होंने ग्राम स्तर के विवादो को आपस में सुलझाने, विकलांग व्यक्ति के हित में कार्य करने, कुपोषण मुक्त बनाने, पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने हेतु पौधे तैयार करने जैसे अन्य कार्यों में सहभागिता निभाने हेतु सुझाव भी दिया। बैठक में संभागीय समन्वयक जन अभियान परिषद श्री भीमसिंह डामोर ने बताया कि स्वैच्छिक संगठनों के शाक्तिकरण हेतु म.प्र. जन अभियान परिषद द्वारा पंख कार्यक्रम दृष्टि योजना अन्त्रगत प्रारंभ किया गया है। जिसके अन्त्रगत विभिन्न क्षेत्रों वन, पर्यावरण, जल, उर्जा, वन, जैनिक, कृषि, प्राकृतिक कृषि, नशामुक्ति, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वाबलंबन, महिला एवं बाल विकास विभाग, सशक्तिकरण, स्वदेशी. सामाजिक समरसता, एवं नागरिक कर्तव्य में कार्य कर रहे स्वैच्छिक संगठनों के कार्य एवं उनकी क्रियान्वयन की पद्धति को विस्तार प्रदान करने की दृष्टि से स्वैच्छिक संगठनों का राज्य स्तरीय उन्मुखीकरण माह अप्रैल-मई 2026 में प्रस्तावित किया गया है।जिला समन्वयक जन अभियान परिषद विवेक पाण्डेय ने प्रजेंटेशन के माध्यम से पौधारोपण, बोरी बंधान, जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किये गए कार्य, मिट्टी से गणेश बनाने का प्रशिक्षण, एमएसडब्ल्यू, बीएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम, परामर्शदाताओ, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति नवांकुर संस्था, सहित जन अभियान परिषद द्वारा किये अन्य कार्यो एवं प्रगति की जानकारी दी। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, जन अभियान परिषद के साशी निकाय सदस्य, राघवेंद्र सोनी, विकासखंड समन्वयक श्रीमती प्रिया सिंह बघेल , शिवदत्त उर्मलिया,आलोक सोंधिया ऋतिक दास मिश्रा सहित स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

उद्यानिकी विभाग द्वारा लगाया गया जल चौपाल, बताया गया महत्व

शहडोल। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल के संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य निरंतर जन सहयोग से किए जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल बचाने, संरक्षित करने एवं जल का महत्व बताने हेतु विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसी अनुक्रम में उद्यानिकी विभाग के मैदानी अमले द्वारा सूक्ष्म सिंचाई पद्धति पर ड्रॉप मोर क्रॉप को बढ़ावा देने के लिए ग्राम पंचायत कठौतिया में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल चौपाल लगाया गया। जिसमें किसानों को सूक्ष्म सिंचाई पद्धति से होने वाले लाभ के बारे मे विस्तार से जानकारी प्रदाय कि गई, कैसे पानी का कम से कम उपयोग कर अधिक से अधिक फसल का उत्पादन कर सकते है एवं उत्पादन में बढ़ोतरी कर सकते है। साथ ही जल का महत्व बताते हुए कहा गया कि जल प्रकृति द्वारा प्रदत्त एक अमूल्य उपहार है, जो समस्त जीव-जगत के अस्तित्व का आधार है। बिना जल के जीवन की कल्पना भी संभव नहीं है। इसलिए हमें जल की एक-एक बूंद का महत्व समझना होगा और इसके संरक्षण के लिए जागरूक होना होगा।

आकाशकोट जल प्रदाय योजना में नहीं बर्दाश्त की जाएगी ढिलाई: कलेक्टर

कलेक्टर ने सभी कार्यों में तेजी लाकर शीघ्र पूर्ण करने के दिए सख्त निर्देश

उमरिया।

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने आकाशकोट ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना के तहत विभिन्न ग्रामों का सघन निरीक्षण करते हुए कार्यों की धीमी प्रगति पर कड़ी नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने उमरार डैम स्थित इंटकवेल का जायजा लिया, जहां पाइप और पंप का अभाव पाया गया। इस पर उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए निर्देश दिए कि आवश्यक संसाधनों की तत्काल व्यवस्था कर कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा प्रगति की साप्ताहिक रिपोर्ट अनिवार्य रूप से प्रस्तुत की जाए। ग्राम ददरी और खैराटोला में बिछाई गई पाइपलाइन का निरीक्षण करते समय ग्रामीणों ने पानी न मिलने की शिकायत की। इस पर कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग को निर्देशित किया कि ग्रीष्मकाल को ध्यान में रखते हुए तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था कर ग्रामीणों को पानी उपलब्ध कराया जाए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि पाइपलाइन बिछाते समय प्रारंभ और अंत बिंदुओं पर स्पष्ट साइनेज बोर्ड लगाए जाएं, ताकि पाइपलाइन को किसी प्रकार की क्षति न पहुंचे। ग्राम मरदरी में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का औचक निरीक्षण करने पर कार्य अधूरा पाया गया। इस पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि कार्य को प्राथमिकता के आधार पर 30 जून तक हर हाल में पूर्ण किया जाए। उन्होंने दोहराया कि प्रगति की साप्ताहिक समीक्षा की जाएगी और किसी भी प्रकार की शिथिलता या देरी पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। इसी क्रम में ग्राम बिरहुलिया एवं कटरिया में निर्माणाधीन पानी टंकियों का निरीक्षण किया गया, जहां कार्य बंद मिला। इस पर कलेक्टर ने चेतावनी देते हुए कार्य को तुरंत पुनः प्रारंभ कर एक माह में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती सहाय ने स्पष्ट रूप से कहा कि 136.49 करोड़ रुपये लागत की इस योजना से 108 ग्रामों को लाभ मिलना है,इसलिए इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए परिणाम देने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती सहाय द्वारा जल निगम के महाप्रबंधक पलक जैन को निर्देश दिए गए कि समस्त अधूरे पडे कार्यो में एक माह के भीतर वांछित प्रगति लाएं,ताकि ग्रामीणों को पेयजल कि समस्या से अतिशीघ्र निदान दिलाया जा सके। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह,नायब तहसीलदार विनोद वर्मा,जल निगम तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने प्राथमिक शाला कटरिया का किया औचक निरीक्षण

बच्चों से मध्यान्ह भोजन एवं पाठ्य पुस्तक वितरण की ली जानकारी

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने करकेली विकासखंड के ग्राम कटरिया में प्राथमिक शाला कटरिया का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान 42 में से 10 बच्चे उपस्थित पाए गए।उन्होंने कहा कि ग्राम में प्रचार प्रसार एवं समझाइश देते हुए स्कूल में बच्चों कि उपस्थिति बढ़ाई जाए।

कलेक्टर श्रीमती सहाय ने बच्चों से रूबरू चर्चा करते हुए मध्यान्ह भोजन, पाठय पुस्तक मिलने, गणवेश मिलने आदि के संबंध में जानकारी प्राप्त की।बच्चों ने बताया कि प्रतिदिन मध्यान्ह भोजन मिल रहा है। उन्होने कहा कि प्रतिदिन स्कूल आकर अपने अध्ययन का कार्य ईमानदारी के साथ करें।उन्होंने प्राचार्य को निर्देशित किया कि बच्चों को शुध्द भोजन उपलब्ध कराएं। भोजन पकाने के बाद उसे ढंककर रखें। जिस जगह पर भोजन पकाया जाता है, उसे स्वच्छ बनाएं रखे ।

निरीक्षण के दौरान उन्होने रसोई घर मे उपलब्ध बर्तनों का भी अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह,नायब तहसीलदार विनोद वर्मा तथा अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे ।

कलेक्टर की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की बैठक संपन्न

राजस्व कार्यों में ढिलाई पर कलेक्टर सख्त, वसूली और लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय कि अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में राजस्व अधिकारियों कि बैठक संपन्न हुई। बैठक में राजस्व वसूली, नामांतरण,बंटवारा, सीमांकन,न्यायालयीन प्रकरणों की समीक्षा,पेशी में उतरे प्रकरणों कि समीक्षा, साइबर तहसील लंबित प्रकरण,रिकार्ड दुरूस्ती प्रकरण,फार्मर रजिस्ट्री, प्रधानमंत्री किसान आधार पर बैंक खाता लिंकिंग, प्रधानमंत्री किसान ई केवायसी,सीएम मानिट, एमडीएम मानिट,एमडीएम रिपोर्ट,सीएम हेल्प लाइन कि समीक्षा की।

राजस्व वसूली की समीक्षा के दौरान बताया गया कि राजस्व वसूली का निर्धारित लक्ष्य 7 करोड़ था जिसके विरूद्ध 1 अप्रैल से 31 मार्च 2026 तक की कुल राजस्व वसूली 3.7 करोड़ है जो कुल वसूली का 53 प्रतिशत है। जिस पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए समस्त राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि इस माह मे कुल मांग भू राजस्व , पंचायत उपकर,शिक्षा उपकर, अतिक्रमण दंड राशि एवं अन्य उपकरों

को वसूलने का कार्य प्रारंभ करें। राजस्व अधिकारी अपने न्यायालय में राजस्व वसूली संबंधी पंजी का संधारण करें एवं उसी अनुरूप राजस्व वसूली मदवार तैयार कर मांग पत्र जिला कार्यालय को उपलब्ध कराएं । नामांतरण , बंटवारा की समीक्षा के दौरान सभी राजस्व न्यायालयो में प्रगति कम पाई गई जिसे आगामी समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए एवं समय सीमा के बाहर समस्त प्रकरणो को आगामी सात दिनों मे निराकरण करने के निर्देश समस्त तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों को दिए गए ।

सीमांकन की समीक्षा करते हुए समस्त एसडीएम , तहसीलदार,नायब तहसीलदार से कहा कि वर्तमान मे फसल कटाई हो चुकी है,अगले 15 दिवस में समस्त सीमांकन के प्रकरणो का निराकरण राजस्व निरीक्षक, वरिष्ठ पटवारियों का दल बनाकर करवाना सुनिश्चित करें। न्यायालयीन प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कहा गया कि सभी एसडीएम कार्यालय के न्यायालयीन प्रकरणों को समय सीमा में निराकरण किया जाए । कलेक्टर न्यायालय के न्यायालयीन प्रकरणों में 300 प्रकरण समस्त न्यायालय के प्रतिवेदन अप्राप्त हैं जिसे अगले 15 दिवस में कलेक्टर को प्रतिवेदन उपलब्ध कराने के निर्देश हैं । इसी तरह अन्य बिंदुओं पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर पी. के. सेनगुप्ता, संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया,अमित सिंह, एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी,एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह,एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले,डिप्टी कलेक्टर प्रत्यूष श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नारी शक्ति वंदन पखवाडा एवं आठवे पोषण पखवाडे के तहत कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के मुख्य आतिथ्य में सामुदायिक भवन, सगरा मंदिर प्रांगण में नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा एवं आठवां पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य तथा बच्चों में कुपोषण दूर करने के विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने कहा कि गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के पूरे 9 माह तक अपने स्वास्थ्य और खान-पान का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने बताया कि इन अभियानों का उद्देश्य समाज में पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना, कुपोषण को समाप्त करना तथा महिलाओं को सशक्त बनाना है। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे इन कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाएं और स्वस्थ एवं सशक्त समाज के निर्माण में सहयोग करें। उन्होंने आगे कहा कि नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा के अंतर्गत महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए स्व-सहायता समूहों की प्रदर्शनी, संवाद कार्यक्रम तथा सफलता की कहानियों का साझा किया जा रहा है। साथ ही महिलाओं को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं एवं आत्मनिर्भर बनने के अवसरों के बारे में जानकारी दी जा रही है।

आशुतोष अग्रवाल ने बताया कि गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के लिए शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही.एस. चंदेल, डॉ. एस.बी. चौधरी एवं प्रोफेसर डॉ. मधुरा कुलकर्णी ने गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य सुधार, बच्चों में कुपोषण की कमी तथा सुरक्षित प्रसव के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इस दौरान महिलाओं ने अपने प्रश्न पूछकर समाधान प्राप्त किया।

26 अप्रैल को राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा की प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन

परीक्षा कक्ष में अनुमत व वर्जित वस्तुओ के संबंध में दिशा निर्देश जारी

उमरिया। मप्र लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा की प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन 26 अप्रैल को किया गया है। यह परीक्षा दो पालियों में संपन्न होगी।प्रथम पाली में प्रातः10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा दोपहर 2.15 से 4.15 बजे तक संचालित होगी । मप्र लोक सेवा आयोग व्दारा परीक्षा कक्ष मे अनुमत व वर्जित वस्तुओ के संबंध में निर्देश जारी किए गए है। जारी निर्देश अनुसार परीक्षा कक्ष में ई प्रवेश पत्र, वैध पहचान पत्र, गोले बनाने हेतु निर्धारित स्याही का पेन,स्वयं का फोटोग्राफ,पानी की पारदर्शी बॉटल,दिव्यांग परीक्षार्थियों हेतु उनके लिए आवश्यक सामग्री तथा अन्य कोई सामग्री जो ई प्रवेश पत्र मे निर्दिष्ट हो कि अनुमति रहेगी।

इसी तरह परीक्षा कक्ष में पेंसिल,रबर,व्हाइटनर,स्केल, बैग्स,पठन सामग्री,मोबाइल फोन,पेन ड्राइव,कैल्कुलेटर, ब्लूटूथ,हैंडफ्री, डिजिटल घडी, स्मार्ट घडी,एनालाग घडी, कोई इलेक्ट्रानिक उपकरण या अन्य कोई ऐसे उपकरण जो संचार उपकरण के रूप मे उपयोग किए जाते है, बालों को बांधने वाले क्लचर , बक्कल, हाथ के बैंड , हाथ में पहने जाने वाले मैटेलिक बैंड , चमड़े के बैंड, कमर में पहने जाने वाले बैल्ट, कफलिंक, धूप का चश्मा,पर्स ,वॉलेट, टोपी,अन्य वस्तुएं जैसेः- चाबी, लाइटर्स माचिस बॉक्स, किसी भी प्रकार के अस्त्र शस्त्र, शार्पनर, ब्लेड तथा अन्य कोई कीमती सामान साथ ही जूते-मोजे पहनकर परीक्षा कक्ष में प्रवेश निषिद्ध है वर्जित रहेगा। इसी तरह हिजाब, पगडी , हाथ मे बंधे धागे, बंधन व ताबीज तथा अन्य धार्मिक मान्यता कि वस्तुओ का सूक्ष्मता से परीक्षण किया जाएगा। किसी भी परिस्थिति मे धार्मिक, सामाजिक प्रतीको को काटने फाडने या बलपूर्वक हटाने की अनुमति नही रहेगी। परीक्षार्थियो के कक्ष मे जाने के पूर्व वीक्षक परीक्षार्थियो कि तालाशी ली जाएगी एवं यह सुनिश्चित किया जाएगा कि परीक्षार्थी कक्ष मे वर्जित वस्तुए लेकर प्रवेश न करे। महिला अभ्यर्थियो की तलाशी पूर्ण गरिमा के साथ महिला अधिकारी, कर्मचारी व्दारा ली जावेगी। महिला अभ्यर्थियो के दुपटटे, चुनरियां भली भांति जांच कर तुरंत वापस लौटा दी जाएगी।

आम के पेड़ पर फांसी लगाकर दी जान नाबालिग से प्रेम प्रसंग का मामला

हरिभूमि न्यूज कोतमा। थाना अंतर्गत राजेश गुप्ता उर्फ भोलू 24 वर्ष के द्वारा बुधवार को नाबालिग से मिलने और मोबाइल देने उसके गांव पहुंचने पर परिजन एवं उसके परिचितों द्वारा पकड़ते हुए मोबाइल जप्त कर मारपीट की गई। मारपीट करने वाले के खिलाफ थाने पहुंच शिकायत करने के दौरान किशोरी के भाई द्वारा भी रिपोर्ट दर्ज कराने थाने पहुंच गया। दोनों पक्षों के थाने पहुंचने के बाद अचानक राजेश थाने में लड़की को बुलाकर लाने की बात कहकर चला गया और घर से कुछ दूरी पर आम के पेड़ पर फांसी लगाकर जान दे दी। युवक की आत्महत्या किए जाने की सनसनीखेज घटना के बाद गुरुवार की सुबह से अस्पताल में हलचल मची रही। युवक की मौत के बाद परिजनों में पुलिस एवं लड़की पक्ष के खिलाफ आक्रोश देखा गया। मारपीट करने वालों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर गिरफ्तारी की मांग को लेकर परिजन आक्रोशित रहे। बीच सड़क में शव रखकर 2 घंटे तक प्रदर्शन किया गया। मृतक के पिता द्वारा 4 लोगों के खिलाफ मारपीट करने का आरोप लगाते हुए गिरफ्तारी की मांग की गई है। पुलिस ने एक संदेही को पकड़ते हुए जांच शुरू कर दी है। घटना के बारे में बताया जाता है कि राजेश गुप्ता का नाबालिग से प्रेम प्रसंग चल रहा था। बुधवार को अपने एक दोस्त के साथ मोबाइल देने गया था जिसे किशोरी के भाई द्वारा पकड़ते हुए अपने दोस्तों के साथ मिलकर मारपीट की गई। युवक थाने पहुंच कार्यवाही की मांग कर रहा था इसी दौरान लड़की पक्ष के भी लोग शिकायत दर्ज कराने थाने पहुंच गए। विवाद की जानकारी होने पर मृतक के पिता सहित अन्य लोग थाने में एकत्र हो गए। युवक की मौत के बाद सुबह से परिजन एवं स्थानीय लोग पहले पीएम ना कराने की बात करते रहे। पुलिस की समझाइश के बाद पीएम उपरांत शव को गांधी चौक ले जाकर प्रदर्शन करना चाह रहे थे जिसपर पुलिस ने मना किया तो अस्पताल के बाहर मुख्य सड़क पर ही शव रखकर 2 घंटे तक प्रदर्शन किया। थाना प्रभारी के द्वारा मारपीट करने वालों पर भी कार्यवाही का भरोसा दिए जाने के बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ। बढ़ते तनाव के बीच बिजुरी थाने से भी अतिरिक्त पुलिस बल बुला लिया गया था। पुलिस के द्वारा मर्ग कायम कर परिजनों के कथन दर्ज किया गया है जबकि दूसरे पक्ष की भी शिकायत पर जांच जारी है।

गंगा सप्तमी के पावन अवसर पर अमरकंटक में उमड़ा श्रद्धा-भक्ति का विराट सागर

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। मध्यप्रदेश की पुण्यसलिला, आध्यात्मिक चेतना की अधिष्ठात्री पवित्र नगरी अमरकंटक में वैशाख शुक्ल पक्ष की पावन गंगा सप्तमी के शुभ अवसर पर श्रद्धा, भक्ति और सनातन संस्कृति का अद्वितीय समागम दृष्टिगोचर हुआ। इस पुण्य पर्व पर मां नर्मदा के उद्गम स्थल सहित समस्त घाटों पर आस्था का अप्रतिम जनसैलाब उमड़ पड़ा, जहां हजारों श्रद्धालुओं ने प्रातःकालीन बेला से ही पवित्र स्नान, दर्शन, पूजन-अर्चन एवं दान-पुण्य कर आध्यात्मिक पुण्य का संचय किया। गुरुवार 23 अप्रैल को पुनर्वसु नक्षत्र में संपन्न इस शुभ तिथि पर कोटितीर्थ, रामघाट, पुष्कर तट एवं आरंडी संगम क्षेत्र श्रद्धालुओं की उपस्थिति से आलोकित रहे। श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा के निर्मल जल में आस्था की पावन डुबकी लगाकर जीवन के समस्त क्लेशों के निवारण, सुख-समृद्धि, शांति एवं सर्वमंगल की मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। मां नर्मदा उद्गम मंदिर में दर्शनार्थियों की लंबी एवं सुव्यवस्थित कतारें श्रद्धा और अनुशासन का प्रतीक बनी रहीं। विधिविधान से पूजन-अर्चन के उपरांत भक्तों ने मंदिर परिसर में विराजमान साधु-संतों एवं भिक्षुओं को यथाशक्ति दान अर्पित कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस पावन अवसर पर मुंडन संस्कार का विशेष महत्व भी परिलक्षित हुआ, जहां अनेक अभिभावकों ने अपने नन्हे शिशुओं के संस्कार संपन्न कराए। प्रातः लगभग 5 बजे से प्रारंभ हुआ नर्मदा स्नान का क्रम दिनभर निरंतर चलता रहा। तीव्र धूप के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह में कोई कमी नहीं आई। भजन-कीर्तन, मंजीरा और वाद्य यंत्रों की मधुर ध्वनियों के साथ भक्तों का नृत्य-गान पूरे वातावरण को आध्यात्मिक उल्लास से परिपूर्ण करता रहा। अनूपपुर, शहडोल, डिंडोरी, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही एवं बिलासपुर सहित समीपवर्ती क्षेत्रों से श्रद्धालुओं का व्यापक आगमन हुआ, जिससे रामघाट पार्किंग स्थल पर वाहनों की अत्यधिक भीड़ देखी गई। हालांकि इतनी विशाल भीड़ के बीच पेयजल व्यवस्था का अभाव स्पष्ट रूप से अनुभव किया गया, जिससे तीर्थयात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा। गंगा सप्तमी का यह पुण्य पर्व पुनः यह प्रमाणित करता है कि अमरकंटक केवल एक भौगोलिक स्थल नहीं, अपितु सनातन आस्था, साधना और आध्यात्मिक ऊर्जा का जीवंत केंद्र है, जहां मां नर्मदा की अनुकंपा से प्रत्येक हृदय भक्ति एवं श्रद्धा से सराबोर हो उठता है।

पुष्पराजगढ़ के विभिन्न ग्राम पंचायतों में जनसहभागिता से जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार कार्य जारी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार जिले में संचालित ''जल गंगा संवर्धन अभियान'' के अंतर्गत जल स्त्रोतों के संरक्षण और संवर्धन का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिले की सभी जल संरचनाओं के कायाकल्प हेतु कार्ययोजना तैयार कर उसे धरातल पर उतारने के निर्देश दिए हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सुश्री अर्चना कुमारी की प्रभावी मॉनिटरिंग से जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में जनभागीदारी के माध्यम से जल संरक्षण का कार्य किया जा है। इसी अनुक्रम में जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के विभिन्न ग्राम पंचायतों में जन सहभागिता से जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत खेत तालाब निर्माण, कुओं और तालाबों का जीर्णोद्धार प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। साथ ही ग्रामीणों के सहयोग से तालाबों की गाद (सिल्ट) निकालने का कार्य किया जा रहा है, जिससे उनकी भंडारण क्षमता में वृद्धि हो रही है। अभियान के तहत डगवैल रीचार्ज तकनीक को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया जा रहा है, ताकि वर्षा जल सीधे भू-गर्भ में जाकर जलस्तर को बढ़ा सके। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे जल संरचनाओं के संरक्षण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। वर्तमान में ग्राम पंचायतों में चल रहे कार्यों से न केवल जलस्तर में सुधार होगा, बल्कि आगामी ग्रीष्म ऋतु में पेयजल संकट के स्थाई समाधान की राह भी प्रशस्त होगी।

खबर संक्षेप

बकहो में बिजली समस्या से परेशान ग्रामीण, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

अमलाई। नगर परिषद बकहो में बिजली की खराब व्यवस्था से परेशान ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर समस्या के समाधान की मांग की है। लंबे समय से क्षेत्र में बार-बार बिजली जाने और फॉल्ट की समस्या बनी हुई है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है।ग्रामीणों ने बताया कि बकहो को करीब 50 किलोमीटर दूर रामपुर फीडर से जोड़ा गया है। दूरी अधिक होने के कारण लाइन में बार-बार खराबी आती है और बिजली आपूर्ति नियमित नहीं हो पाती। इसका असर पेयजल व्यवस्था पर भी पड़ रहा है, जिससे लोगों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है।अलग फीडर बनाने की मांगग्रामीणों ने बकहो के लिए अलग फीडर बनाने की मांग उठाई है। उनका कहना है कि प्रोजेक्ट नंबर 975690 के तहत लगभग 64.50 लाख रुपये की लागत से अमलाई फीडर से जोड़कर नया फीडर प्रस्तावित है, लेकिन अभी तक इस पर काम शुरू नहीं हो सका है।जल्द कार्रवाई की उम्मीदज्ञापन देने वालों में पंकज तिवारी, घनश्याम शर्मा, रूपम नापित सहित कई स्थानीय नागरिक और जनप्रतिनिधि शामिल रहे। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द उचित कदम उठाने की अपेक्षा जताई है, ताकि क्षेत्र की बिजली व्यवस्था में सुधार हो सके।

नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत में सजी आत्मीयता की फुलवारी

अमरकंटक। शिक्षा के पावन प्रांगण जवाहर नवोदय विद्यालय, अमरकंटक में पेस सेटिंग कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 6 में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत हेतु एक गरिमामयी एवं भावपूर्ण आयोजन संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नवागंतुक छात्रों को विद्यालय के स्नेहिल वातावरण से परिचित कराना तथा उनके मन में आत्मीयता, उत्साह और आत्मविश्वास का संचार करना रहा। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार ने सभी नवप्रवेशित विद्यार्थियों का हृदयस्पर्शी स्वागत किया। स्नेह और अपनत्व से परिपूर्ण इस आयोजन में छात्रों को चॉकलेट एवं पौधे भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। पौधों के माध्यम से विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण की भावना जागृत करने का प्रेरणादायक संदेश भी दिया गया, जिससे शिक्षा के साथ संस्कारों का समन्वय स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह पायक की उपस्थिति रही। अपने प्रेरक उद्बोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम एवं नैतिक मूल्यों के महत्व से अवगत कराते हुए जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु निरंतर प्रयासरत रहने की प्रेरणा दी। उनके शब्दों ने नवप्रवेशित छात्रों के मन में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में पेस सेटिंग प्रभारी अतुल सिंह का विशेष योगदान रहा। उनके कुशल मार्गदर्शन एवं समन्वय से कार्यक्रम सुव्यवस्थित एवं प्रभावशाली रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षक देवेंद्र सेंगर सहित कनिष्ठ सदन प्रभारियों में रमेश कुमार सिंह, सचिन जाटव, शेख वाहिद, तथा शिक्षिकाओं में श्रीमती मुक्ता सरीन, श्रीमती नीता सिंह एवं अजय शुक्ला की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। सम्पूर्ण कार्यक्रम उत्साह, उल्लास एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए यह आयोजन न केवल स्वागत का अवसर बना, बल्कि उनके शैक्षणिक जीवन की एक सशक्त एवं प्रेरणादायक शुरुआत के रूप में स्मरणीय भी बन गया।

इन्द्रा नगर तालाब में हुआ श्रमदान

अनूपपुर। जल स्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन को लेकर चलाए जा रहे "जल गंगा संवर्धन अभियान 2026" के अंतर्गत नगर परिषद बरगवां एवं मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड शहडोल के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार 23 अप्रैल को वार्ड क्रमांक 04 स्थित आर्या गार्डन के पास इन्द्रा नगर तालाब में व्यापक स्तर पर श्रमदान एवं साफ-सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान तालाब परिसर और उसके आसपास के क्षेत्रों में गहन सफाई की गई। विशेष रूप से तालाब के किनारों, जलग्रहण क्षेत्र और जल प्रवाह मार्गों को साफ कर जल की गुणवत्ता सुधारने का प्रयास किया गया। लंबे समय से जमी गंदगी, कचरा और अवांछित पदार्थों को हटाकर तालाब को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया।

बरगवां में "जल गंगा संवर्धन अभियान 2026" के तहत चला स्वच्छता अभियान

इन्द्रा नगर तालाब में श्रमदान, जल संरक्षण का दिया संदेश

जल स्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के उद्देश्य से चलाए जा रहे "जल गंगा संवर्धन अभियान 2026" के अंतर्गत गुरुवार को नगर परिषद बरगवां एवं मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड शहडोल के संयुक्त तत्वावधान में वार्ड क्रमांक 04 स्थित आर्या गार्डन के पास इन्द्रा नगर तालाब में श्रमदान एवं साफ-सफाई अभियान चलाया गया।

अमलाई।

अभियान के दौरान तालाब परिसर, किनारों, जलग्रहण क्षेत्र तथा जल प्रवाह मार्गों की व्यापक सफाई की गई। लंबे समय से जमा गंदगी, कचरा एवं अवांछित पदार्थों को हटाकर तालाब को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाने का प्रयास किया गया। साथ ही जल की गुणवत्ता सुधारने के लिए विशेष पहल की गई।इस अवसर पर अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने कहा कि जल स्रोतों का संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए आमजन की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। स्थानीय नागरिकों को जल संरक्षण, स्वच्छता एवं पर्यावरण संतुलन के प्रति जागरूक करते हुए अपने आसपास के जल स्रोतों को स्वच्छ बनाए रखने का संदेश दिया गया।नगर परिषद बरगवां की अध्यक्ष श्रीमती गीता गुप्ता ने कहा कि ऐसे प्रयासों से जल स्रोतों का संरक्षण संभव होगा और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ जल उपलब्ध कराया जा सकेगा। वहीं उपाध्यक्ष डॉ. राज तिवारी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने अभियान को जनआंदोलन बनाने पर जोर दिया।कार्यक्रम में नगर परिषद के पार्षदगण, अधिकारी-कर्मचारी, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड शहडोल के वैज्ञानिक बी.एम. पटेल, सुभाष कुमार निगम, बालेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।अभियान के अंत में नियमित रूप से स्वच्छता एवं जल संरक्षण कार्यक्रम चलाने का संकल्प लिया गया, ताकि क्षेत्र के सभी जल स्रोत स्वच्छ, सुरक्षित एवं प्रदूषण मुक्त बनाए जा सकें।

पोषण पखवाड़ा में सामूहिक पुंसवन संस्कार एवं गोद भराई कार्यक्रम का आयोजन

अमलाई।

पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत सेक्टर बकहो में शासन के निर्देशानुसार जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं परियोजना अधिकारी के मार्गदर्शन में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान "आओ गढ़ें संस्कारवान पीढ़ी" अभियान के तहत सामूहिक पुंसवन संस्कार संपन्न कराया गया कार्यक्रम के अंतर्गत सेक्टर स्तर पर 14 गर्भवती माताओं की सामूहिक गोद भराई भी आयोजित की गई। इस अवसर पर गर्भवती महिलाओं के साथ उपस्थित उनके परिवारजनों को भी विशेष रूप से जागरूक किया गया तथा गर्भावस्था के दौरान उचित देखभाल करने की सलाह दी गई।विशेषज्ञों द्वारा गर्भावस्था में पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। साथ ही स्थानीय स्तर पर उपलब्ध खाद्य सामग्री एवं अनाज से पौष्टिक व्यंजनों का प्रदर्शन किया गया, जिसमें कोदो की खीर, मूंग के व्यंजन तथा स्थानीय फल जैसे केला, आम, पपीता, रामफल आदि शामिल रहे। उपस्थित जनों को इन खाद्य पदार्थों के नियमित उपयोग के बारे में भी जानकारी दी गई।यह कार्यक्रम रिटायर्ड वेलफेयर ऑफिसर पी.के. जैन के मार्गदर्शन में गायत्री चेतना केंद्र, ओपीएम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सेक्टर पर्यवेक्षक सीमा गुप्ता एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की सक्रिय सहभागिता रही।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गर्भवती महिलाओं एवं उनके परिवारों को पोषण, स्वास्थ्य एवं संस्कारों के प्रति जागरूक करना रहा।

सेक्टर स्तरीय बैठक हुई संपन्न

हरिभूमि न्यूज कोतमा। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की नामांकुर योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रस्फुटन समितियां को सशक्त करने तथा गांव को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से कोतमा विकासखंड के सेक्टर क्रमांक 4 में ग्राम बैहाटोला के सामुदायिक भवन में नामांकुर संस्था जीएस हितकारिणी समिति कोतमा के द्वारा सेक्टर स्तरिय बैठक रखी गई जिसमें बैहाटोला, कटकोना, पथरौड़ी, चंगेरी से प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष और सचिव उपस्थित हुए बैठक में उपयोगिता प्रमाण पत्र, स्वागत बोर्ड, जल स्रोतों के प्रति समर्पित व्यक्तियों के नाम तथा ग्राम की समस्याओं पर चर्चा की गई समस्या में ग्राम पथरौड़ी में यह बात सामने आई कि यहां पानी कि समस्या जनवरी से जून तक रहती है जल स्तर बहुत नीचे चला जाता है जिसे कारण से लोगों को पानी कि समस्या बनी रहती है बैठक मे यह निर्णय लिया गया कि जन सहयोग से बरसात के पूर्व जल स्रोत के नजदीक सोप पिट का निर्माण कराया जाएगा जिससे वर्षा का जल धरती पर स्टोर होगा और इस सामुदायिक प्रयास से समस्या का निदान हो सकता है। जल स्रोतों के प्रति समर्पित व्यक्तियों का नाम चैन किया गया जिससे उन्हें सम्मानित किया जा सके दस्तावेजीकरण पर चर्चा कि गई इस कार्यक्रम मे ओंकार सिँह, निर्मला सिंह, उमा केवट, कसिया तिवारी, विमला सिंह, जगत प्रशाद केवट, ज्योति सिंह, राजकुमारी सिंह, मीरा सिंह, यशोदा सिंह उपस्थित रहे।

पानी है तो जिंदगानी है सुरभि महिला समिति ने खोले प्याऊ

धनपुरी। सोहागपुर कोयलांचल क्षेत्र में भीषण गर्मी में आमजन को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से श्रद्धा महिला मण्डल के मार्गदर्शन में सुरभि महिला समिति, सोहागपुर क्षेत्र द्वारा व्यापक स्तर पर प्याऊ सेवा अभियान संचालित किया जा रहा है। जीएम मैसेज से प्रेरित इस पहल ने क्षेत्र में जनसेवा की नई मिसाल पेश की है।सेवा का विस्तार:समिति द्वारा सोहागपुर एरिया के बंगवार, दामिनी, राजेंद्रा एवं खैरहा भूमिगत माइंस के मुख्य गेटों के बाहर लगातार प्याऊ खोले जा रहे हैं, जहां राहगीरों और कर्मचारियों को ठंडा जल उपलब्ध कराया जा रहा है।नेतृत्व की भूमिका:अभियान का सफल संचालन समिति की अध्यक्षा श्रीमती एलोरा जेना के नेतृत्व में किया जा रहा है। वे स्वयं मौके पर उपस्थित रहकर लोगों को पानी, शरबत, चना एवं गुड़ वितरित कर रही हैं।विशेष आयोजन राजेंद्रा भूमिगत माइंस मेन गेट के सामने "पानी है तो जिंदगानी है" के संदेश के साथ 22 अप्रैल 2026 को विशेष रूप से प्याऊ का शुभारंभ किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में राहगीरों ने लाभ लिया। कार्यो मिल रही सफलता यह पूरा अभियान सुरभि महिला समिति अध्यक्षा के सामाजिक सरोकारों वाले संदेश से प्रेरित है, जिसके तहत जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है।प्रबंधन का समर्थन:इस अवसर पर उपस्थित उपक्षेत्रीय प्रबंधक ने पहल की सराहना करते हुए आश्वासन दिया कि पूरे गर्मी सीजन में राजेंद्रा माइंस गेट पर प्रतिदिन ठंडा पानी मटकों में उपलब्ध रहेगा।राहत का अनुभव:तेज धूप में सफर कर रहे राहगीरों, वाहन चालकों और कॉलरी कर्मचारियों ने ठंडा जल, शरबत और गुड़-चना प्राप्त कर राहत महसूस की और समिति के इस प्रयास की सराहना की।सदस्यों का योगदान:कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती पद्मावती बंदारू, भवानी बालकृष्णा, उर्मिला मांडवी, नीतू साहू, प्रियंका श्रीवास्तव, सत्य रमन्ना, अनुपा सेनगुप्ता, सुनीता हेम्ब्रम, सपना गनवीर सहित सभी सदस्यों का सक्रिय सहयोग रहा।सतत सेवा का संकल्प:समिति ने निर्णय लिया है कि पूरे गर्मी के दौरान यह सेवा निरंतर जारी रहेगी, ताकि कोई भी राहगीर प्यासा न रहे।इस प्रकार सुरभि महिला समिति का यह प्रयास भीषण गर्मी में न केवल राहत प्रदान कर रहा है, बल्कि समाज में सेवा और संवेदनशीलता का मजबूत संदेश भी दे रहा है।

नगर में चुरहट विधायक अजय सिंह 'राहुल भैया' का भव्य स्वागत

इस बार कांग्रेस को सत्ता में लाना है :बलमीत सिंह

बुढ़ार।

विंध्य की राजनीति के कद्दावर नेता, पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं चुरहट विधायक अजय सिंह 'राहुल भैया' गुरुवार को एक दिवसीय प्रवस पर बुढ़ार नगर पहुँचे। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका आत्मीय और जोरदार स्वागत किया। उनके इस दौरे का मुख्य उद्देश्य कांग्रेस संगठन को निचले स्तर तक मजबूत करना और वरिष्ठ व कनिष्ठ कार्यकर्ताओं में नए जोश का संचार करना रहा।

कार्यकर्ताओं में भरा उत्साह

नगर प्रवास के दौरान राहुल भैया, जिला कांग्रेस कोषाध्यक्ष हनुमान खंडेलवाल एवं कांग्रेस नेता बलमीत सिंह खनूजा के निवास पर पहुँचे, जहाँ बड़ी संख्या में कांग्रेस जन एकत्रित हुए। कोतमा विधानसभा प्रभारी बलमीत सिंह खनूजा ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहाः"विंध्य के सपूत अजय सिंह राहुल भैया ने पूरे जोश के साथ शहडोल संभाग के कार्यकर्ताओं में ऊर्जा का संचार किया है।आज कोयलांचल क्षेत्र के इस सौहार्दपूर्ण वातावरण में वे सभी का आशीर्वाद लेने और छोटे कार्यकर्ताओं को स्नेह देने पहुँचे हैं। हमारा लक्ष्य स्पष्ट है—सबके सहयोग से इस बार कांग्रेस को सत्ता में वापस लाना है।"

स्वागत कार्यक्रम में उमड़ा जनसैलाब

स्वागत के दौरान संगठन की मजबूती पर जोर दिया गया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष सुजीत सिंह चंदेल, प्रदीप सिंह,राजेश चमड़ियां, अंकित सिंह, भानू दीक्षित, इकरार खान, मोहम्मद आजाद, आनंद मोहन जायसवाल, संतोष सेंगर, अजय सिंह,प्रवीण सिंह, पुष्पराज सिंह, सनाउल्लाह खान, सुश्री उमा धुर्वे, श्रीमती यशोदा सिंह, अरविंद नायक, लीला राम जगवानी, मन्नू सिंह और विक्रम सिंह सहित दर्जनों मीडिया कर्मी एवं कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूरे कार्यक्रम के दौरान "राहुल भैया जिंदाबाद" और "कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद" के नारों से कोयलांचल क्षेत्र गूंज उठा। कार्यकर्ताओं का मानना है कि इस दौरे से आगामी चुनावों के लिए संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी।

दिग्गज नेताओं की रही मौजूदगी

राहुल भैया के इस प्रवास के दौरान क्षेत्र के कई प्रमुख कांग्रेसी नेता भी साथ रहे, जिनमें मुख्य रूप से:महेंद्र सिंह चौहान,विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को,पूर्व सांसद ज्ञान सिंह साथ में रहें।

ग्राम मरजाद में-विश्व पृथ्वी दिवस पर पर्यावरण को संरक्षित बनाये रखने कार्यक्रम का किया गया आयोजन

छात्रों ने पर्यावरण पर चित्रकला की दी मनोहारी प्रस्तुति

बुढ़ार।

आदर्श ग्राम की दिशा में निरंतर अग्रसर ग्राम पंचायत मरजाद में विश्व पृथ्वी दिवस पर पर्यावरण को संरक्षित बनायें रखने ग्राम वासियों के मध्य जन जागरूकता कार्यक्रम का वृहद आयोजन किया गया।

विश्व पृथ्वी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम ग्राम पंचायत सरपंच रजनी बाई कोल, उपसरपंच कामता प्रसाद साहू, प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका एवं ग्रामीणजन भारी संख्या में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर रिलायंस सी.बी.एम. (सीएसआर) हेड राजीव श्रीवास्तव ने पृथ्वी दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुये कहाकि-जल, जंगल, पृथ्वी, जीव और वायु के संरक्षण की नितांत आवश्यकता है।

राजीव श्रीवास्तव ने कहाकि-पर्यावरण संतुलन बनाये रखनें के लिये इन सभी तत्वों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। साथ ही उन्होंने कहाकि-किसानों को चाहिए कि खाली पड़ी जमीनों पर फलदार बगीचे विकसित करें, जिससे एक ओर शुद्ध ऑक्सीजन प्राप्त होगी, वहीं दूसरी ओर उनकी आजीविका का साधन भी होगा।

इस अवसर पर वीरेंद्र प्रजापति ने पृथ्वी के बिगड़ते संतुलन पर अपने विचार व्यक्त करते हुये कहाकि-जंगलों का विनाश, पेड़-पौधों की कटाई और किसानों का पशुपालन से दूर होना गंभीर समस्या बनती जा रही है। उन्होंने जल संरक्षण पर विशेष जोर देते हुये बताया कि-वर्षा जल का उचित संरक्षण न होने के कारण पानी व्यर्थ बह जाता है। साथ ही रासायनिक उर्वरकों जैसे यूरिया और डीएपी के अत्यधिक उपयोग से भूमि की उर्वरता लगातार घट रही है, जिससे जमीन बंजर होती जा रही है।

कार्यक्रम के दौरान प्राथमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने पृथ्वी दिवस पर आकर्षक चित्रकला का प्रदर्शन किया और उनके चित्रकला की उपस्थित जनों ने सराहना की। चित्रकला का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया।

विश्व पृथ्वी दिवस कार्यक्रम अवसर पर - नितिन रजक, दिलीप नामदेव, पवन मिश्रा, संजीत केवट,अंबिका केवट, जितेन्द्र केवट, सजन बैगा का सहयोग सराहनीय रहा। कार्यक्रम का संचालन अजय पांडे ने किया।

स्वच्छता के निर्धारित मानकों की प्राप्ति हेतु कार्ययोजना बनाकर अधिकारी करें कार्य-कलेक्टर

नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ करने विशेष सफाई अभियान चलाएं अधिकारी

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिले के सभी मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को स्वच्छता के निर्धारित मानकों की प्राप्ति हेतु विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत करते हुए अधिकारियों को समन्वित एवं परिणाममुखी कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्य मार्गों एवं चिन्हित रेड और येलो स्पॉट क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखते हुए नियमित सफाई अभियान संचालित किए जाएं। बस स्टैंड एवं रेलवे स्टेशन जैसे भीड़भाड़ वाले स्थानों पर रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था अनिवार्य रूप से लागू की जाए, ताकि प्रातःकाल शहर स्वच्छ एवं व्यवस्थित दिखाई दे। कलेक्टर श्री पंचोली आज कलेक्ट्रेट कार्यालय के नर्मदा सभागार में नगरीय निकायों के अधिकारियों को स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 में जिले को उत्कृष्ट स्थान दिलाने के उद्देश्य से आयोजित बैठक में निर्देशित कर रहे थे। कलेक्टर श्री पंचोली ने कहा कि कचरा संग्रहण व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु सार्वजनिक स्थलों पर आधुनिक ट्विन-बिन (डस्टबिन) स्थापित किए जाएं तथा डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। साथ ही, जीवनदायिनी नदियों एवं उनके घाटों की नियमित सफाई एवं सौंदर्यीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जलभराव की समस्या से बचाव हेतु मुख्य नालियों की नियमित सफाई पर विशेष बल दिया। बैठक में कलेक्टर श्री पंचोली ने निर्देशित किया कि जिले के सभी सार्वजनिक शौचालय शत-प्रतिशत क्रियाशील स्थिति में रहें तथा उनकी नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। इसके अतिरिक्त स्वच्छता कार्य में प्रयुक्त सभी तकनीकी उपकरण एवं वाहन सदैव कार्यशील अवस्था में रखे जाएं, जिससे कार्य में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। स्वच्छता को जन-आंदोलन का रूप देने हेतु व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। पोस्टर, बैनर एवं विज्ञापनों के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा। साथ ही 'सिटिजन एप' से अधिक से अधिक नागरिकों को जोड़कर उनकी प्रतिक्रिया एवं शिकायतों के त्वरित निराकरण की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नगरीय निकाय क्षेत्रों में स्वच्छता सर्वेक्षण के अंतर्गत स्त्रोत स्तर पर अपशिष्ट पृथक्करण, संग्रहण एवं परिवहन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता सेवाओं की उपलब्धता, उपयोगिता जल प्रबंधन, सेवाओं का मशीनीकरण, जनजागरूकता, पारिस्थितिकी संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण, सफाई कर्मचारियों का कल्याण तथा नागरिक फीडबैक एवं शिकायत निवारण जैसे प्रमुख बिंदुओं पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप समयबद्ध एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित कर जिले को स्वच्छता सर्वेक्षण में अग्रणी स्थान दिलाने हेतु पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। बैठक में कलेक्टर ने नगरीय निकायों में ग्रीष्मकालीन पेयजल व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त कर पेयजल आपूर्ति हेतु प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

खबर संक्षेप

स्कूल में प्रवीण कुमार का किया गया सम्मान

हरिभूमि न्युज कोतमा। नगर के डिवाइन वैदिक मिशन हायर सेकेंडरी स्कूल में प्रशासनिक सेवा परीक्षा में सफलता के बाद अपने घर आने पर प्रवीण कुमार पटेल को उनके माता-पिता सहित सम्मानित किया गया। यह विदित हो कि डी.वी.एम. हायर सेकेंडरी स्कूल पूर्व में जेके पब्लिक स्कूल के नाम से जाना जाता था जहां प्रवीण कुमार पटेल ने केजी से चौथी तक की शिक्षा ग्रहण की पश्चात आगे की शिक्षा ग्रहण करने के लिए वे केंद्रीय विद्यालय जमुना में दाखिल हुए थे। विद्यालय ऐसे होनहार छात्र को पाकर गौरवान्वित है। 6वीं से 12वीं के बच्चों सहित अभिभावकों के मध्य प्रवीण पटेल का सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक रहे साबिर अली अंसारी भी उपस्थित रहे। प्रवीण के पिता ने इस सफलता के लिए विद्यालय के संचालक बीएन ओझा के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की अपने उद्बोधन मे बीएन ओझा ने इस सफलता को शिक्षक, अभिभावक एवं छात्र तीनों के सामूहिक प्रयास को श्रेय दिया। दिनकर की पंक्तियों के माध्यम से उन्होंने सफलता की सच्चाई को बताया मेहंदी जब सहती है प्रहार, बनती ललनाओं के श्रृंगार। जब फूल पिरोए जाते हैं हम उनको गले लगाते हैं। यूपीयससी मे चयनित छात्र प्रवीण कुमार ने अपने वक्तव्य में बताया कि परिश्रम अपना कार्य है, सफलता अपने हाथ में नहीं होती हमें अनुशासित रूप में एकाग्रतापूर्वक मेहनत करना चाहिए छात्रों के लिए भी यह संदेश दिया कि अपने अभिभावक एवं गुरु के मार्गदर्शन में यदि हम चलेंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी। अभिभावक एवं गुरु ही ऐसे हैं जिनके मन में अपने छात्र व पुत्र की सफलता के प्रति कभी ईर्ष्या नहीं आती बल्कि अपार गर्व होता है। अतः उनका अनुसरण करें तभी सफलता मिलेगी। विद्यालय के बच्चों में आज का दिन एक प्रेरणादायी दिन बनेगा और आज का दिन एक सबक के रूप में यादगार होगा।

उपचार हेतु कलेक्टर ने 30 हजार रुपये के आर्थिक सहायता के आहरण की दी मंजूरी

हरिभूमि न्युज अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिले के ग्राम बसनिहा निवासी श्रीमती सोनम गुप्ता के उपचार हेतु मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से स्वीकृत 30 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि के आहरण एवं संवितरण की मंजूरी प्रदान की है।

अनिल कुमार गुप्ता का अल्टीमेटम, कार्यवाही नहीं तो होगा चक्का जाम

जैतहरी में फ्लाई ऐश ओवर लोडिंग पर बवाल

हरिभूमि न्युज अनूपपुर। अनूपपुर जिले के जैतहरी क्षेत्र में फ्लाई ऐश के ओवरलोड परिवहन को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। पूर्व विंध्य विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष और भाजपा नेता अनिल कुमार गुप्ता ने प्रशासन को सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो चक्का जाम किया जाएगा। उन्होंने कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर ओवरलोडिंग, सड़क क्षति और बढ़ते प्रदूषण पर गंभीर सवाल उठाए हैं, जिससे अब यह मुद्दा जनआक्रोश का रूप लेता जा रहा है।जैतहरी क्षेत्र में स्थित हिन्दुस्तान एम.बी. पावर प्रोजेक्ट से फ्लाई ऐश (राखड़) के परिवहन को लेकर हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। आरोप है कि परिवहन के दौरान निर्धारित क्षमता से अधिक लोडिंग की जा रही है, जिससे न केवल सड़कों की हालत खराब हो रही है, बल्कि यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। पूर्व विंध्य विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने इस पूरे मामले को गंभीरता से उठाते हुए प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए तो जन आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने अपने पत्र में स्पष्ट रूप से ट्रांसपोर्टरों और प्रशासनिक ढिलाई पर सवाल उठाए हैं। ओवरलोड वाहनों से उठने वाली धूल, प्रदूषण और लगातार बढ़ते हादसों के खतरे ने स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा दी है। अब यह मामला केवल एक परिवहन समस्या नहीं रह गया, बल्कि जनस्वास्थ्य, सुरक्षा और प्रशासनिक जवाबदेही का मुद्दा बन चुका है।

ओवरलोड वाहनों से सड़कों की बदहाल स्थिति

जैतहरी नगर और आसपास के मार्गों पर फ्लाई ऐश से भरे ओवरलोड वाहनों की लगातार आवाजाही से सड़कों की हालत बेहद खराब हो गई है। कई जगह सड़कें गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं, जिससे आम लोगों का चलना भी मुश्किल हो गया है। स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और रोजाना सफर करने वाले लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। सड़क निर्माण पर खर्च होने वाली सरकारी राशि भी इस लापरवाही के कारण बेअसर होती दिख रही है, जिससे जनसुविधाओं पर सीधा असर पड़ रहा है।

ट्रांसपोर्टरों पर नियमों की अनदेखी के आरोप

अनिल कुमार गुप्ता ने अपने पत्र में खास तौर पर ट्रांसपोर्टर कंपनियों, विशेषकर एच.आर.सी., पर नियमों की अनदेखी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि ट्रांसपोर्टर खुलेआम यह दावा करते हैं कि उनकी प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर मजबूत पकड़ है, जिससे उन पर कोई कार्रवाई नहीं होती। इस तरह के आरोप प्रशासन की निष्पक्षता और सख्ती पर सवाल खड़े करते हैं। यदि यह स्थिति बनी रहती है, तो कानून व्यवस्था पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

दुर्घटनाओं और प्रदूषण का बढ़ता खतरा

ओवरलोड वाहनों के कारण सड़क हादसों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। भारी वाहन जब क्षमता से अधिक लोड लेकर चलते हैं, तो उनका संतुलन बिगड़ने का खतरा रहता है, जिससे दुर्घटनाएं हो सकती हैं। इसके साथ ही फ्लाई ऐश से उड़ने वाली धूल आसपास के इलाकों में प्रदूषण फैला रही है, जिससे लोगों को सांस संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। यह समस्या अब जनस्वास्थ्य के लिए भी गंभीर चुनौती बन चुकी है।

प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग

अनिल कुमार गुप्ता ने प्रशासन से मांग की है कि पावर प्लांट के गेट पर ही सख्त चेकिंग की व्यवस्था लागू की जाए, ताकि ओवरलोड वाहनों को वहीं रोका जा सके। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि दिन के समय नगर और आबादी वाले क्षेत्रों में भारी वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। इससे न केवल दुर्घटनाओं में कमी आएगी, बल्कि आम नागरिकों को भी राहत मिलेगी। यह कदम क्षेत्र में व्यवस्था सुधारने के लिए जरूरी माना जा रहा है।

चक्का जाम की चेतावनी से बढ़ा दबाव

मामले में सबसे अहम बात यह है कि अनिल कुमार गुप्ता ने साफ तौर पर चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो वे चक्का जाम जैसे बड़े आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। इससे प्रशासन पर दबाव बढ़ना तय है। इस चेतावनी के बाद अब यह मामला केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि राजनीतिक और जनआंदोलन का रूप भी ले सकता है। आम जनता की नजर अब प्रशासन के अगले कदम पर टिकी है कि आखिर कब इस समस्या का समाधान निकलेगा।

दो साल से फरार करोड़ों की ठगी का मास्टर माइंड गिरफ्तार

अनूपपुर पुलिस की सक्रियता से आखिर पहुंचा सलाखों के पीछे

हरिभूमि न्युज बदरा/जमुना। थाना भालूमाड़ा पुलिस ने करोड़ों रुपये की ठगी के मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो वर्षों से फरार चल रहे मुख्य आरोपी उमेश कांतिलाल पटेल को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। लंबे समय से फरार आरोपी की गिरफ्तारी को पुलिस की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। मामला अपराध क्रमांक 350/2024 एवं 400/2024 से संबंधित है, जिसमें आरोपी के खिलाफ धारा 420, 406, 409, 120बी सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज है। आरोपी ने निवेशकों को झांसा देकर करोड़ों रुपये की ठगी की थी और घटना के बाद से फरार चल रहा था। ज्ञात हो कि लगभग दो वर्ष पूर्व बदरा निवासी संतोष चौरसिया की रिपोर्ट पर इस गंभीर मामले को संज्ञान में लेते हुए पुलिस अधीक्षक ने तत्काल प्रभाव से थाना भालूमाड़ा में प्रकरण दर्ज करने के निर्देश दिए थे। उनकी संवेदनशीलता और सख्त रुख का ही परिणाम है कि लंबे समय से फरार आरोपी आज कानून के शिकंजे में आ सका। पुलिस अधीक्षक के प्रभावी निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकएवं एसडीओपी कोतमा के मार्गदर्शन में थाना भालूमाड़ा पुलिस ने कार्रवाई को अंजाम दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक उमेश उपाध्याय के नेतृत्व में गठित टीम ने आरोपी को

महाराष्ट्र के नवी मुंबई स्थित तलोजा जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लाकर गिरफ्तार किया। गौरतलब है कि आरोपी उमेश कांतिलाल पटेल के खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों में भी दर्जनभर से अधिक धोखाधड़ी के मामले दर्ज हैं। करोड़ों रुपये की ठगी करने के बावजूद वह लंबे समय तक पैसे और प्रभाव के दम पर कार्रवाई से बचता रहा, लेकिन अनूपपुर पुलिस की सतर्कता और लगातार प्रयासों के चलते आखिरकार उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इस पूरे ठगी गिरोह का एक अन्य आरोपी अलकित मालवीय निवासी गुजरात अभी भी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में लगातार जुटी हुई है और उम्मीद जताई जा रही है कि उसे भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय कोतमा में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इस पूरी कार्रवाई में उप निरीक्षक डी.एस. बागरी की विशेष भूमिका रही। वहीं पुलिस टीम के अन्य सदस्य विवेक त्रिपाठी, विनोद जाटव, देवेन्द्र सिंह और चक्रधर तिवारी का भी सराहनीय योगदान रहा। अनूपपुर पुलिस की इस प्रभावी कार्रवाई से न केवल निवेशकों में न्याय की उम्मीद जगी है, बल्कि यह भी स्पष्ट संदेश गया है कि अपराधी कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, कानून के हाथों से बच नहीं सकता।

पेट्रोल पंपों की नहीं होती नियमित जांच, उपभोक्ता हो रहे परेशान

हरिभूमि न्युज अनूपपुर। जिला मुख्यालय सहित नगर व कोयलांचल तथा ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित लगभग सभी डीजल- पेट्रोल पंप पर कहने के लिए तो शुद्ध पेट्रोल सही नाप का ढिंढोरा पीटा जाता है। आम आदमी भी सही तेल, सही नाप की उम्मीद कर गाडिय़ों में पेट्रोल, डीजल डलवाने जातें हैं। लेकिन यहां जो लगातार देखने में आता है कि जैसे ही जीरो देखने के लिए कहा जाता है वैसे ही नोजल के ट्रिगर को दो बार दबाया जाता है। पहले शुरू होते ही कट कर फिर दबाया जाता तब तेल जाता है, लेकिन इस आंख-मिचौली खेल में रीडिंग खपत पन्द्रह से बीस रूपए पार कर जातीं हैं। इस संबंध में जब आपत्ति की जाती है तो अपनी चोरी छिपाने के लिए जवाब दिया जाता है कि यह आटोमेटिक पंप है इसके लिए दो बार दबाने पर डीजल, पेट्रोल जाता है। इस संबंध में जानकारों का कहना है कि मीटर जंप कराने का एक ऐसा खेल है जो

हर किसी को समझ में नहीं आता। जिला मुख्यालय सहित कोतमा, राजेंद्रग्राम, बिजुरी, जैतहरी, अमरकंटक सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्र के पेट्रोल पंप पर ना खाद्य विभाग और ना ही सेल्स ऑफिसर जांच करते हैं जिसके कारण इस महंगाई के दौर पर पेट्रोल डीजल गाड़ी में भरवाने जाने वालों को दोगुनी मार उठानी पड़ रही है ।

अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष बने रामलाल रौतेल

हरिभूमि न्युज अनूपपुर। भारतीय जनता पार्टी के अनूपपुर विधानसभा पूर्व विधायक एवं पूर्व कोल विकास प्राधिकरण मध्य प्रदेश के अध्यक्ष रामलाल रौतेल को मध्य प्रदेश सरकार ने अनुसूचित जनजाति आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस नियुक्ति पर जिले के भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। रामलाल रौतेल को यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिसका स्वागत भाजपा नेताओं ने किया। मध्य प्रदेश शासन के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिलीप जायसवाल, शहडोल सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह, अनूपपुर विधायक बिसाहू लाल सिंह, भाजपा जिला प्रभारी संजय साहू, जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम सहित सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने रामलाल रौतेल को बधाई दी तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह ने दी।

रात्रि में टवेरा वाहन पर गिरा विशाल वृक्ष का हिस्सा, बड़ा हादसा टला

अमरकंटक में खड़ी चौपहिया गाड़ी क्षतिग्रस्त, जनहानि नहीं

हरिभूमि न्युज अमरकंटक। प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 12 में रामबाई धर्मशाला के समीप तथा पुलिस कॉलोनी के सामने ऊपर आ गिरा, जिससे वाहन का ऊपरी भाग एवं आंतरिक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। घटना किस समय घटी, इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है। स्थानीय लोगों के अनुसार उस रात्रि में कोई आंधी, तूफान या तेज हवा भी नहीं चली थी, फिर भी अचानक वृक्ष का हिस्सा गिर जाना चर्चा का विषय बना हुआ है। पेड़ का बड़ा भाग सड़क मार्ग पर भी फैल गया था। उल्लेखनीय है कि घटना के समय वाहन के भीतर कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था और न ही उस समय वहां से कोई राहगीर गुजर रहा था। यदि ऐसा होता तो गंभीर दुर्घटना से इंकार नहीं किया जा सकता था। स्थानीय नागरिकों ने नगर परिषद से पुराने एवं जर्जर वृक्षों की समय पर जांच और आवश्यक कटाई-छंटाई की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

नगरीय क्षेत्रों में आवारा श्वानों एवं मवेशियों का प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करें-कलेक्टर

स्थानीय पशु जन्म नियंत्रण निगरानी समिति गठन के निर्देश श्वानों को भोजन एवं प्रश्रय देने विशिष्ट स्थल किए जाएंगे चिन्हांकित

हरिभूमि न्युज अनूपपुर। नगरीय क्षेत्रों में आवारा श्वानों एवं मवेशियों के प्रभावी प्रबंधन हेतु कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में बैठक ली। बैठक में शासन द्वारा जारी नवीन दिशा-निर्देशों के अनुरूप जिले में आवारा पशुओं के नियंत्रण के संबंध में विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करने और जनसुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में ''पशु जन्म नियंत्रण नियम'' के अंतर्गत जिले में ''स्थानीय पशु जन्म नियंत्रण निगरानी समिति'' के गठन के निर्देश कलेक्टर ने दिए। उन्होंने आवारा श्वानों के सुव्यवस्थित प्रबंधन और जनसंख्या नियंत्रण हेतु शीघ्र ही आवश्यक कार्यवाही करने को कहा गया। कलेक्टर ने श्वानों के कारण बढ़ती हिंसक घटनाओं और उनसे उत्पन्न होने वाले सुरक्षा जोखिमों को दृष्टिगत रखते हुए निर्देश दिए कि जो नागरिक सार्वजनिक स्थलों या रिहायशी बस्तियों में आवारा श्वानों को प्रश्रय दे उनका चिन्हांकन कर ऐसे कार्यों के नियंत्रण व प्रभावी प्रबंधन की कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। बैठक में आवारा श्वानों से बचाव पर भी चर्चा की गई। जिसमें बताया गया कि श्वानों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए आबादी से दूर विशिष्ट स्थल (फीडिंग जोन) चिन्हित किए जाएंगे, जिससे रिहायशी क्षेत्रों में श्वानों का जमावड़ा और उनका खतरा कम हो सके।

इसके साथ ही नागरिकों को सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक किया जाएगा।समस्त नगरीय निकायों को अपने क्षेत्रों में आवारा पशुओं और श्वानों की गतिविधियों पर निरंतर निगरानी रखने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में डिप्टी कलेक्टर एवं परियोजना अधिकारी, जिला शहरी विकास अभिकरण सुश्री प्राशी अग्रवाल, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के डॉ. योगेश चन्द्र दीक्षित, डॉ. पूजा महोबे, नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारी सहित संबंधित निकायों के अभियंता उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत अमगवां में खेत तालाब से संवरेगा किसानों का भविष्य

हरिभूमि न्युजअनूपपुर। प्रदेश व्यापी ''जल गंगा संवर्धन अभियान'' के तहत जिले में जल संरचनाओं के पुनर्जीवन और नए जल स्त्रोतों के निर्माण का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। इसी क्रम में जनपद पंचायत जैतहरी की ग्राम पंचायत अमगवां के इतवारिया में खेत तालाब निर्माण का कार्य किया जा रहा है, जो स्थानीय कृषि और जल संरक्षण की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशन में संचालित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य वर्षा जल को सहेजकर भू-जल स्तर में वृद्धि करना है। इतवारिया में निर्मित हो रहे इस खेत तालाब से न केवल वर्षा जल का संचयन होगा, बल्कि आसपास के क्षेत्रों के जल स्तर में भी सुधार आएगा। इससे ग्रीष्म ऋतु में होने वाली जल की समस्या से मुक्ति मिलेगी। ग्राम पंचायत अमगवां के किसानों के लिए यह तालाब

सिंचाई का मुख्य आधार बनेगा। सिंचाई की सुनिश्चित व्यवस्था होने से किसान अब रबी और खरीफ की फसलों के साथ-साथ सब्जी उत्पादन जैसी उद्यानिकी फसलों की ओर भी अग्रसर हो सकेंगे। इसके अतिरिक्त, तालाब के माध्यम से मत्स्य पालन जैसी गतिविधियों को बढ़ावा देकर किसानों की आय में वृद्धि के प्रयास भी किए जाएंगे।

महिला बाल विकास एवं पुलिस टीम द्वारा समझाईश से रोका गया बाल विवाह

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग विनोद परस्ते एवं सहायक संचालक, महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती मंजूषा शर्मा के मार्गदर्शन में विकासखंड पुष्पराजगढ़ के ग्राम पंचायत जरही में बुधवार को बाल विवाह की सूचना मिलने पर बाल विवाह रोकथाम दल विवाह स्थल पहुंचा। तदुपरांत दल द्वारा उपस्थित परिजन एवं ग्रामीणों को बाल विवाह के

दुष्परिणामों के बारे में बताया गया और बाल विवाह न करने की समझाइश दी गई तथा बालिका की विवाह योग्य आयु अर्थात 18 वर्ष पूर्ण होने के पश्चात ही विवाह करने की समझाइश दी गई। जिसके फलस्वरूप उपस्थित ग्रामीणों एवं परिजनों द्वारा विवाह रोककर बालिका की उम्र 18 वर्ष पूर्ण होने के पश्चात्ही विवाह करने की बात कही गई एवं परिजनों द्वारा शपथ पत्र भी प्रस्तुत किया गया। दल में बाल कल्याण समिति अनूपपुर के अध्यक्ष मोहनलाल पटेल, महिला एवं बाल विकास विभाग के विधि सह परिवीक्षा अधिकारी अशोक कुमार त्रिपाठी सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के पर्यवेक्षक, स्टॉफ एवं पुलिस बल शामिल रहे।